



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

**विषय:** इस सप्ताह उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा उत्तरपूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटा) के साथ व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। 29 अप्रैल को असम, मेघालय और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

**आज, 29 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:**

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा ( $\geq 21$  सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ त्रिपुरा में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) और असम में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर 50-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तूफानी हवाएं चलीं; पश्चिम बंगाल, विदर्भ, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तूफानी हवाएं चलीं।
- ❖ उत्तराखंड, ओडिशा, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ और ओडिशा के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी हुई है।
- ❖ उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में रातें गर्म रहीं।

**पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):**

- ❖ देश के ज्यादातर हिस्सों में (पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर बिहार और पूर्वोत्तर भारत को छोड़कर) अधिकतम/दिन का तापमान  $40-46^{\circ}\text{C}$  के बीच रहा, जहाँ यह  $36^{\circ}\text{C}$  से कम था। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान  $45.6^{\circ}\text{C}$  बांदा (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, केरल और माहे, कोंकण और गोवा, ओडिशा, सौराष्ट्र और कच्छ, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम/दिन का तापमान सामान्य से काफी ज्यादा ( $3.1^{\circ}\text{C}$  से  $5.0^{\circ}\text{C}$ ) था; मराठवाड़ा के ज्यादातर स्थानों पर; विदर्भ के कई स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना के कुछ स्थानों पर सामान्य से ज्यादा ( $1.6^{\circ}\text{C}$  से  $3.0^{\circ}\text{C}$ ) था; पूर्वोत्तर असम और मेघालय, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, झारखंड,

रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान के कुछ अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से ज्यादा था।

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 13-19°C के बीच रहा। देश के मैदानी इलाकों के शेष भागों में यह तापमान 20-26°C के बीच रहा।
- ❖ मेघालय और ओडिशा में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 से 5.0°C) रहा। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, गांगेय पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में सामान्य से ऊपर (1.6 से 3.0°C); हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, त्रिपुरा में सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब रहा।

### मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे कश्मीर के निचले और मध्य स्तरों पर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दिखाई दे रहा है।
- ❖ पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक प्रेरित ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ उत्तरी पंजाब से दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान तक निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक उत्तर-दक्षिण गर्त मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से नागालैंड तक निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक पूर्व-पश्चिम गर्त फैली हुई है।
- ❖ रायलसीमा से कोमोरिन क्षेत्र तक फैली गर्त/पवन विच्छिन्नता अब उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से मन्नार की खाड़ी तक निचले क्षोभमंडल स्तर पर फैली हुई है।
- ❖ महाराष्ट्र के आंतरिक भाग और उससे सटे तेलंगाना के ऊपर निचले क्षोभमंडल में प्रतिचक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ उत्तरपूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य क्षोभमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ उत्तरपूर्वी मध्य प्रदेश से उत्तरपूर्वी बांग्लादेश के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण तक निचले क्षोभमंडल में एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ 2 मई 2026 से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

### उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

#### पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 और 30 अप्रैल को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चल सकती हैं और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं) आने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल को असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल से 4 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी भारी वर्षा हो सकती है। 30 अप्रैल से 2 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में और 30 अप्रैल से 3 मई के दौरान असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक

भारी वर्षा होने की संभावना है। 29 अप्रैल से 4 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

#### उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 29 अप्रैल और 3 से 5 मई के दौरान, हिमाचल प्रदेश में 29 अप्रैल, 3 और 4 मई के दौरान, और उत्तराखंड में 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 29 और 30 अप्रैल और 2 से 5 मई के दौरान, उत्तर प्रदेश में 29 और 30 अप्रैल के दौरान, पश्चिमी राजस्थान में 29 अप्रैल और 2 से 5 मई के दौरान, और पूर्वी राजस्थान में 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश और 2-4 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी आने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

#### पूर्वी भारत:

- ❖ 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, और 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान बिहार में, और 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 और 30 अप्रैल को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट रूप से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 29 और 30 अप्रैल को, और बिहार में 29 अप्रैल को भारी वर्षा की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 30 अप्रैल और 1 मई को भी भारी वर्षा हो सकती है।
- ❖ ओडिशा में 29 अप्रैल को और झारखंड में 30 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना है।

#### मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों के दौरान; विदर्भ में 29 मई और 2 और 3 मई को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

#### दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 29 अप्रैल से 3 मई के दौरान छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। लक्षद्वीप में 29 और 30 अप्रैल को और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान बिजली गिरने की संभावना है। रायलसीमा में 29 अप्रैल से 3 मई तक और तटीय कर्नाटक में 29 अप्रैल से 1 मई तक बारिश हो सकती है।

- ❖ केरल और माहे में 29 अप्रैल से 2 मई तक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 29 और 30 अप्रैल को और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 30 अप्रैल से 2 मई तक भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ तेलंगाना में 29 अप्रैल को और आंतरिक कर्नाटक में 29 और 30 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

#### अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 30 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 3-5°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है; 1 से 3 मई के दौरान 3-5°C की क्रमिक वृद्धि और 4 और 5 मई को 2-4°C की गिरावट दर्ज की जाएगी।
- ❖ उत्तर प्रदेश को छोड़कर उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 29 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है; 30 अप्रैल और 1 मई को 2-3°C की क्रमिक वृद्धि और 2 से 5 मई के दौरान 2-3°C की क्रमिक गिरावट दर्ज की जाएगी।
- ❖ मध्य भारत में 1 मई तक अधिकतम तापमान में लगभग 2°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है और 2 से 5 मई के दौरान कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ पूर्वी भारत में 1 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है और 2 से 5 मई के दौरान कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 2 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद 3 से 5 मई के दौरान कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात राज्य में 1 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद 2 से 5 मई के दौरान कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की संभावना है।

#### ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर 29 तारीख को और पश्चिमी राजस्थान में 1 से 3 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ ओडिशा के कुछ इलाकों में 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 29 से 3 मई के दौरान और तटीय कर्नाटक में 29 और 30 अप्रैल को गर्म और आर्द्र मौसम की प्रबल संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में 29 अप्रैल को रात में गर्म मौसम रात की प्रबल संभावना है।

#### मछुआरों को चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अप्रैल से 4 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: पश्चिम बंगाल के तटों और उससे सटे बांग्लादेश के तटों के साथ-साथ उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के उससे सटे हिस्सों में 29 अप्रैल से 4 मई के दौरान; ओडिशा के तटों के साथ-साथ 1 मई के दौरान और उत्तरी ओडिशा में 1 से 4 मई, 2026 के दौरान न जाएं।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 29 अप्रैल से 02 मई 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

**महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

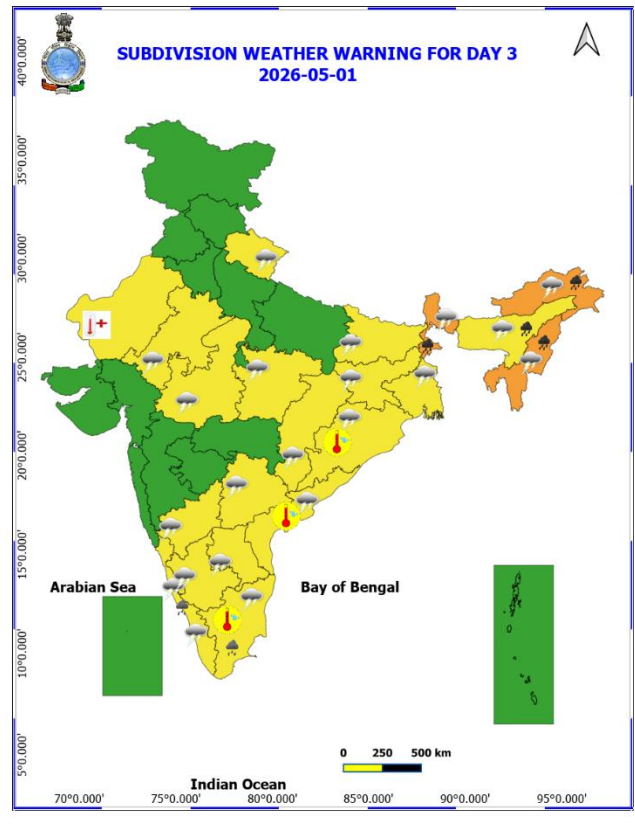
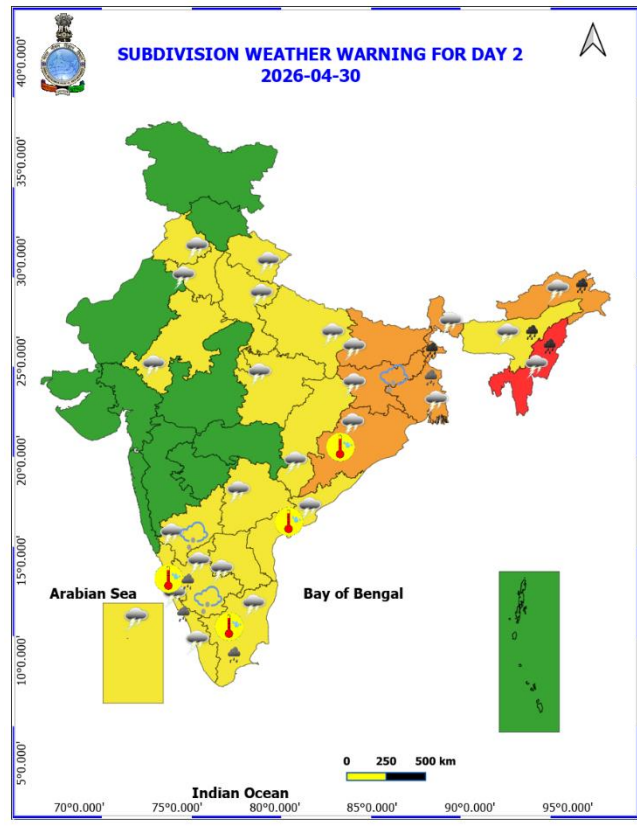
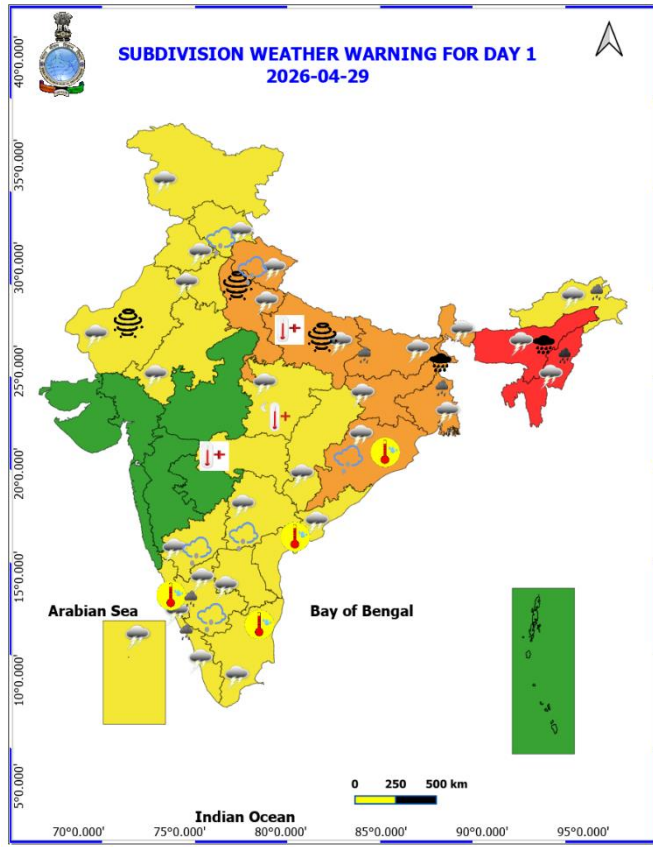
- ❖ उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 20; जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 18; चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 12 प्रत्येक; माथाभांगा (जिला कूच बिहार) 11; करबल्ला टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 10; गंगटोक (जिला गंगटोक), झलॉंग (जिला कलिम्पोंग) 9 प्रत्येक; मजीतार (जिला पाक्योंग), ताडोंग (जिला गंगटोक), कूच बिहार (जिला कूच बिहार), घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), लावा (जिला कलिम्पोंग) 8 प्रत्येक; खानितर (जिला पाक्योंग), अम्फू मझियान (जिला दक्षिण दिनाजपुर), अम्फू पुंडीबारी (जिला कूच बिहार), ऐभील टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), दमदिम टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), इंदोंग टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7 प्रत्येक;
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: सोनामुरा एआरजी (जिला सिपाहीजाला) 12; गंडाचारा एडब्ल्यूएस (जिला धलाई) 10; डीएम कार्यालय एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 9; अरुंधतिनगर (जिला पश्चिम त्रिपुरा), उदयपुर (जिला गोमती), अमरपुर (जिला गोमती), ए डी नगर एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 8 प्रत्येक; अगरतला एपी (जिला पश्चिम त्रिपुरा), मेट अगरतला एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम त्रिपुरा), एचआरसी नागिचेरा एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा), खुमलुवांग एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा), बगाफा (जिला दक्षिण त्रिपुरा), खोवाई (जिला खोवाई) 7 प्रत्येक;
- ❖ केरल और माहे: कोन्नी (जिला पथानामथिट्टा) 9; वैकुरिंजी एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा) 7;
- ❖ असम और मेघालय: गोलपारा पीटीओ (जिला गोलपारा) 9; धूपधारा एआरजी (जिला गोलपाड़ा) 8; रंगिया (जिला कामरूप (ग्रामीण)), मावकिरवाट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स) 7 प्रत्येक।

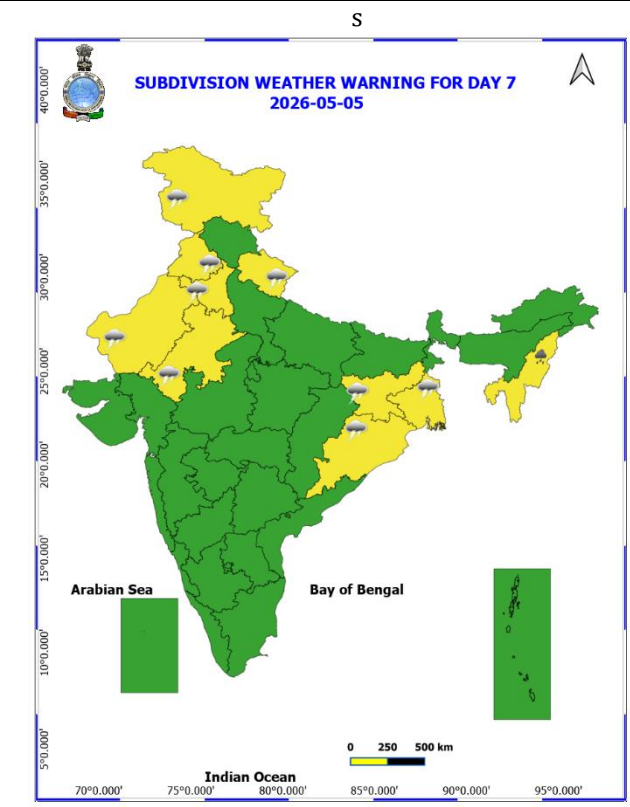
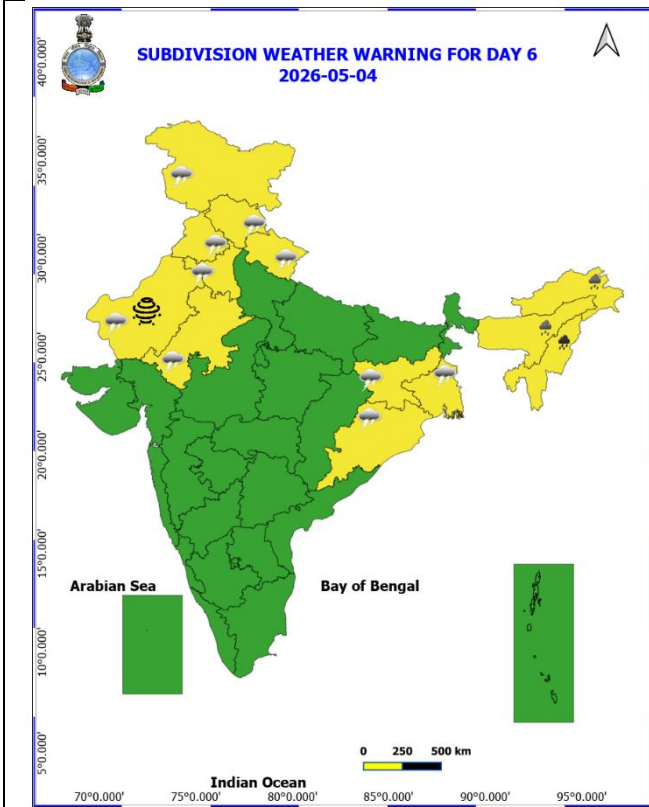
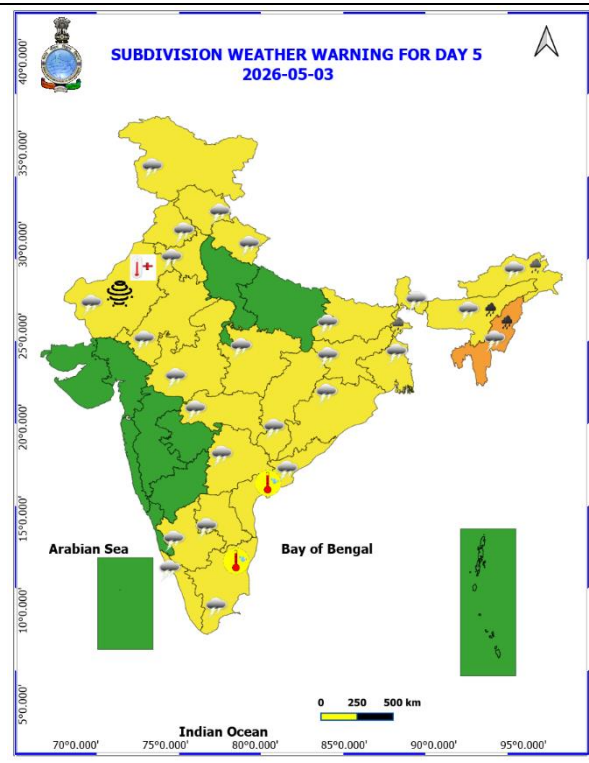
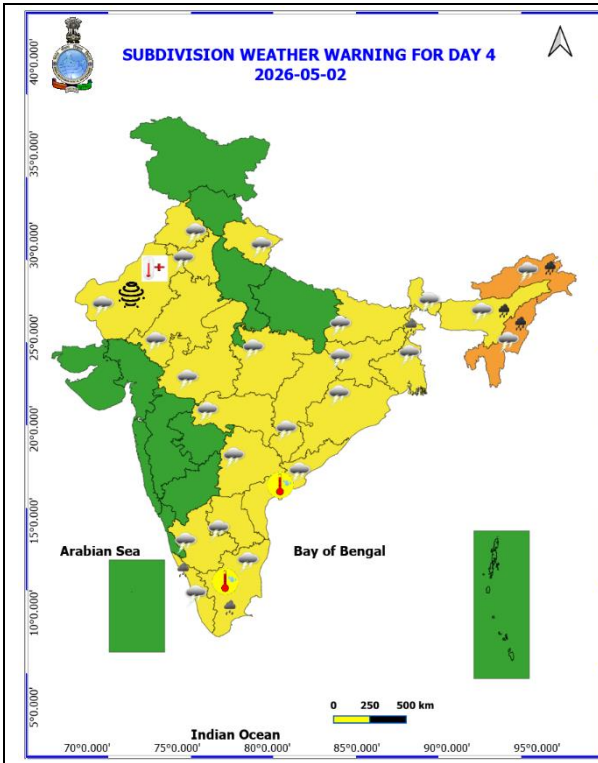
**कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):**

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: तेलियामुरा\_बैराग 91, सिफजाला 78, चम्फाई 56, अगरतला 74 (तूफान), हेजामारा 89, नलकाटा 81, ए.डी.नगर 70, कंचनपुर 65, गोकुलपुर 65, लेम्बुचेरी 57, पानीसागर 43, आशापारा 35
- ❖ ओडिशा: बेनाकुडा 72
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: दिरांग 50, सेप्पा\_पाम्पोली 33, तुतिंग 50, रागा 31
- ❖ असम और मेघालय: मानस 68;
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: दीघा 41
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: बालुरघाट 46; पुंडीबारी 44
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: जम्मू 61
- ❖ पंजाब: बठिंडा 52, फाजिल्का और मोहाली 44, फिरोजपुर 41, रूपनगर और पठानकोट 39
- ❖ हरियाणा: चरखी दादरी 65, सिरसा 56, पलवल 48, रोहतक और करनाल 43, सोनीपत 41,
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा 52, जीबी नगर और हिंडन 48 प्रत्येक, गाजियाबाद 46, अलीगढ़ 44, शामली और बरेली 41 प्रत्येक, बुलंदशहर 39, बरेली 37
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 50
- ❖ विदर्भ: लोनार (बुलढाणा) 35
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरिया 35, कोरबा 35, सूरजपुर 33, बालोद 31, बलरामपुर 30
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा (नंदुरबार) 41, कलवान (नासिक) 39
- ❖ मराठावाड़ा: लातूर 33, हिंगोली 31
- ❖ गुजरात क्षेत्र: थराद (बनासकांठा) 41
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: द्वारका 83,
- ❖ तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल: नाथम\_इसरो (डिंडीगुल) 61

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Apr	30- Apr	1- May	2- May	3- May	4- May	5- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

**29 अप्रैल से 02 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान**

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 3-4°C तक और न्यूनतम तापमान में 5-8°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 38-39°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20-21°C की सीमा में रहे। दिल्ली के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) और शेष स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहे। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहने वाला रहा, साथ ही सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रही, जो दक्षिण-पूर्व दिशा से 45 kmph तक के झोंकों के साथ चली। पिछले 24 घंटों के दौरान, दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश देखी गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से सतह पर हवा की गति 20 kmph तक पहुंचने के साथ आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

29.04.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और तेज़ हवाएं चलेंगी जिनकी गति 30-40 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और 50 किमी प्रति घंटा तक तेज़ झोंके आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36°C से 38°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलेगी जिसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

30.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ सतही हवाएँ चलेंगी; हवा की गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है और दोपहर के समय 50 kmph तक के झोंके आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 20°C से 22°C की सीमा में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज़्यादातर जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली में कुछ अलग-थलग जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पूर्वी दिशा से चलने की संभावना है, और सुबह के समय हवा की गति 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतही हवा की गति बढ़ेगी और उत्तरी दिशा से 20 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतही हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तर-पूर्वी दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी।

01.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 19°C से 21°C की सीमा में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज़्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पूर्वी दिशा से चलने की संभावना है, और सुबह के समय हवा की गति 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतही हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिमी दिशा से 18 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतही हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तरी दिशा से 12 kmph तक पहुँच जाएगी।

02.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 20°C से 22°C की सीमा में रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C

से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर पूर्व दिशा से 20 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम होकर पूर्व दिशा से 15 kmph से भी कम हो जाएगी।

**बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:**

- चेतावनी: बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-40 kmph, झोंकों में 50 kmph तक) के साथ आंधी-तूफान आने और धूल भरी हवाएँ चलने की संभावना है।
- असर: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं, पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं, फसलों को नुकसान पहुँच सकता है, बिजली और संचार लाइनें बाधित हो सकती हैं, कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है, और हल्की-फुल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- सलाह: घर के अंदर ही रहें और खिड़की-दरवाज़े बंद रखें। अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें। पेड़ों के नीचे शरण न लें। कंक्रीट की दीवारों/फर्श, पानी के स्रोतों और बिजली के तारों से दूर रहें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें और मौसम के बिगड़ने की स्थिति के लिए सतर्क रहें।

**छिटपुट तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:**

- 29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश में, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, और पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में 29 और 30 अप्रैल को 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 29 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में, ओडिशा में 30 अप्रैल को, तेलंगाना में और कर्नाटक के आंतरिक क्षेत्रों में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

**संभावित प्रभाव:**

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

**सुझाए गए उपाय:**

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

## अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा/भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 29 अप्रैल को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ 29 अप्रैल से 4 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। 29 अप्रैल से 5 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी भारी वर्षा की संभावना है। 30 अप्रैल से 2 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 30 अप्रैल से 3 मई के दौरान असम और मेघालय में, 29 अप्रैल से 4 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 29 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 29 अप्रैल से 2 मई के दौरान केरल और माहे में, 29 और 30 अप्रैल को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, और 30 अप्रैल से 2 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

### अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

### सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

## ऊष्ण लहर के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर 29 मई को और पश्चिमी राजस्थान में 1 से 3 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।

### अलर्ट क्षेत्र:

- ❖ लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और लू के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- ❖ गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

## ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना, में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेल्नेट या हेल्कैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

### **भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- **अरुणाचल प्रदेश** में, पत्ता गोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाली धान की किस्मों और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का, आदि खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों के खेतों में उचित जल निकासी करें।
- **असम** में फसलों के खेतों में जल जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें। परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को सूखे एवं ढके हुए भंडार में सुरक्षित रखें। संवेदनशील नर्सरी बेड को ढकने के लिए प्लास्टिक शीट या अस्थायी जाल (नेट) का उपयोग करें।
- **मेघालय** में गाजर, भिंडी और फ्रेंच बीन की बुवाई को फिलहाल स्थगित करें। मक्का, अदरक और टमाटर के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। फसलों के गिरने से बचाव के लिए सहारा (स्टेकिंग/बांस का सहारा) प्रदान करें।
- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा**, धान के पूर्व-खरीफ वानस्पतिक चरण के दौरान 5-8 सेमी जल स्तर बनाए रखें, फसल के खेत में लंबे समय तक बारिश के पानी के ठहराव से बचें।
- **पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में, विशेष रूप से अदरक, टमाटर और डल्ले खुरसानी मिर्च के खेतों में जलभराव रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लौकी वर्गीय फसलें और डल्ले खुरसानी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या एगो-नेट से ढककर पौधों की सुरक्षा करें। इसके अतिरिक्त, अदरक के खेतों में वर्षा के सीधे प्रभाव को कम करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिच सामग्री का उपयोग करें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें तथा केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।

### **उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में ग्रीष्मकालीन मूंग, मूंगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल, चारा फसलो, बागवानी फसलों और सब्जियों में सुबह-शाम के समय आवश्यकतानुसार हल्की और बार-बार सिंचाई करें। वाष्पीकरण को कम करने के लिए सब्जी और बगीचे की फसलों में पुआल बिछाकर मल्लिचंग करें, और नई बोई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएं।
- **मध्य प्रदेश** - मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों को आवश्यकतानुसार नियमित रूप से सिंचाई करें।
- **राजस्थान** - जायद मूंग, अमेरिकी कपास और देसी कपास, भिंडी, तरबूज, खरबूजा, टिंडा, ककड़ी और तरबूज जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई प्रदान करें।
- **ओडिशा** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जियों के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **तेलंगाना** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल अवशेषों, पुआल या पॉलिथीन से मल्लिचंग करें।

### **तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को ठीक से बांधकर ढक दें ताकि तेज हवाओं के कारण उनके खिसकने का खतरा कम हो सके।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### **पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन**

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

#### किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

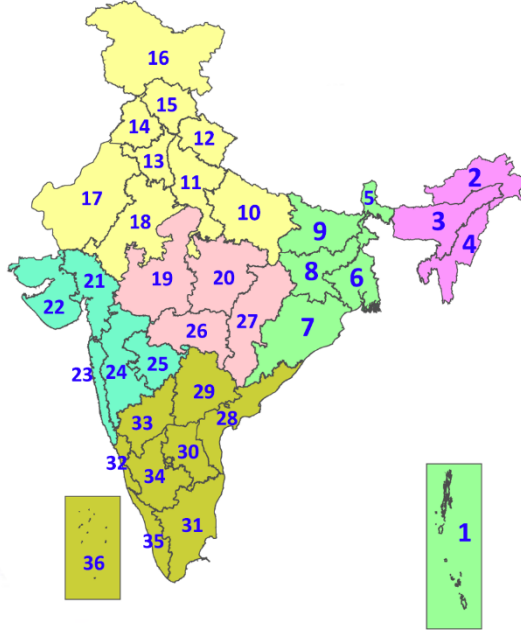
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

#### मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

### COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

## DEFINITION/CRITERIA

### Rain/ Snow \*

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm \*

### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\geq 30^{\circ}\text{C}$  for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 45^{\circ}\text{C}$ .

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $> 4.5^{\circ}\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^{\circ}\text{C}$

### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^{\circ}\text{C}$

Warm Night: When minimum temperature departure  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure  $> 6.4^{\circ}\text{C}$ .

### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^{\circ}\text{C}$

### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility  $< 50$  metres

### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^{\circ}\text{C}$  ( over Plains)

### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed  $> 87$  kmph

### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed  $> 117$  kmph ( $> 63$  knots) & Wave height  $> 14$  metre

### Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed  $> 220$  kmph ( $> 119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)